REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 10 | ISSUE - 5 | FEBRUARY - 2021

" बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार के अवसर का अध्ययन "

डॉ.राजू रैदास
शोधार्थी – डी–लिट (वाणिज्य), अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म०प्र००) भारत.

परिचय – Introduction :-

दुनिया के सबसे अनुशासित और सुदृढ़ बैंकिंग प्रणालियों में से एक भारत की भी है। बैंकिंग, समृद्धिशील भारतीय अर्थव्यवस्था का एक तेजी से उभरता उद्योग है। बैंकिंग क्षेत्र (सेक्टर) त्वरित प्रगति और विकास के कारण अनेकों कैरियर के अवसरों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

इसके साथ ही, भारत सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था और 100% वित्तीय समावेशन (फाइनेंसियल इंक्लयूसन) के लक्ष्य के कारण जनशक्ति की आवश्यकता में बढ़ोतरी होना अपेक्षित है।

बैंकिंग सेक्टर में हर साल लाखों लोग नौकरी के लिए आवेदन करते हैं. लेकिन अधिकांश आवेदन केवल क्लर्क, कैशियर, पीओ, एसओ और प्रबंधक आदि के लिए होते हैं, क्योंकि अधिकांश लोगों को इन पदों के अलावा अन्य पदों के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है।

जानकारी के मुताबिक, देश में बैंकिंग सेक्टर से हर साल 40 हजार से ज्यादा कर्मचारी रिटायर होते हैं और हजारो–लाखों लोग हर साल बैंकिंग सेक्टर में अपना करियर बनाते हैं, बता दें कि भारत में 67 हजार से अधिक बैंक शाखाएँ हैं, जहां हर साल हजारों–लाखों लोग नौकरी पाते हैं।

बैंकिंग क्षेत्र की भावी संभावनाएं :–

वर्तमान समय में भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 7 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है। इनमें से अगले ही कुछ वर्षो में बहुत भारी संख्या में लोग सेवानिवृ/ रिटायर हो रहे हैं। इस अंतर को कम करने और बढ़ते व्यापार को संभालने के लिए बैंकों में भर्ती की एक होड़ लगी हुई है। ध्यान रहे कि निजी क्षेत्र की जनशक्ति आवश्यकताओं (मैनपावर रेक्वायरमेंट) को यहाँ शामिल नहीं किया गया है। इसीलिए इस क्षेत्र में अपार अवसर है।

इसके अलावा, तकनीक के विस्तार के कारण ,उस से प्रभावित नए निजी बैंक और भुगतान बैंक ने अपनी बैंकिंग सेवाओं का विस्तार किया है द्य म्युचुअल फंड, प्रतिभूतिकरण (सेक्युरिटाईजेशन), बिजनेस क्रेडिट कार्ड, कंज्यूमर लोन, हाउसिंग लोन, व्यापार के लिए सोना और आवास ऋण तथा विदेशी मुद्रा की गतिविधियों में बैंक सक्रिय है।

बैंकिंग क्षेत्र में स्कोप/व्यापकता :–

बैंकिंग क्षेत्र में अनेकों पद हैं। इनमें से सबसे सर्वोच्च नौकरियाँ क्लर्क, एमटी (प्रबंधन प्रशिक्षु) और पीओ (प्रोबेशनरी अधिकारी) की हैं। इस क्षेत्र में अन्य व्यवसाय के भी अवसर है ,जैसेकि बैंक टेलर्स, वित्तीय सेवा प्रतिनिधि(फायनेंशियल सर्विस रिप्रेजेंटेटिव), वित्तीय प्रबंधक (फायनेंशियल मैनेजर), बिल और खाते कलेक्टर (बिल एंड अकाउंट कलेक्टर), ऋण अधिकारी (लोन आफिसर), लेखा परीक्षा क्लर्क (ओडिट क्लर्क) और बुक कीपिंग हैं।

हालांकि ऐसा प्रतीत हो सकता है कि ये नौकरियाँ वाणिज्य अर्थशास्त्र के छात्रों के लिए होती हैं, लेकिन तथ्य यह हैं कि अधिकतर बैंक अधिकारी विभिन्न वर्गो / स्ट्रीम से हैं।

बैकिंग क्षेत्र कैरियर के लिए उपयोगी है :–

एक बैंकर के रूप में नौकरी के लिए आवश्यक है कि आपको संख्याओं पर अच्छी पकड़ और ग्राहक के प्रति अच्छा रवैया हो (एक बैंकर हमेशा संख्याओं पर काम करता है जैसे – डिपोजिट, लोन/ऋण, क्रेडिट इन्वेस्टमेंट आदि। और उन्हें अनेकों लोगों से रोज मिलना होता है। इसीलिए, यदि कोई उम्मीदवार इन दोनों पहलुओं में अच्छा है तो वह बैंक को कैरियर के बेहतर विकल्प के रूप में देख सकता है साथ ही, यदि आप निम्नलिखित गुणों से युक्त हैं : –

- अच्छा संचार कौशल
- अच्छा विश्लेषणात्मक कौशल
- पारस्परिक कौशल
- उच्च दबाव के वातावरण में लचीलापन / सहजता तब निश्चित रूप से बैंक में कैरियर एक सही विकल्प है।

एक बैंकर कैसे बनें :–

यहाँ कुछ जानी–मानी बैंकिंग प्रवेश परीक्षायें हैं। इनमे चुने जाने पर, संबंधित बैंक अथवा वित्तीय संस्था में पद प्राप्त किया जाता है। आपको पता होना चाहिए कि इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा उच्च स्तर होती है।

- आईबीपीएस प्रोबेशनरी अ०फिसर की सामान्य लिखित परीक्षा (आईबीपीएस पीओ)
- भारतीय स्टेट बैंक प्रोबेशनरी अधिकारी (एसबीआई पीओ)
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए आईबीपीएस लिपिक भर्ती के लिए सामान्य लिखित परीक्षा
- भारतीय स्टेट बैंक लिपिक
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए सामान्य लिखित परीक्षा
- विशेष अधिकारी के लिए सामान्य लिखित परीक्षा
- आईडीबीआई बैंक की कार्यकारी परीक्षा
- भारतीय रिजर्व बैंक परीक्षा
- भारतीय रिजर्व बैंक में सहायक पद के लिए परीक्षा
- नाबार्ड AM परीक्षा
- अन्य

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पर्याप्त है। चयन प्रक्रिया में लिखित योग्यता परीक्षा / रिटन एप्टीट्यूड टेस्ट (मात्रात्मक योग्यता, तर्कशक्ति, अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान और कम्प्यूटर ज्ञान) और साक्षात्कार (केवल अधिकारी पदों के लिए) शामिल हैं।

व्यवसाय / कैरियर विकास :–

प्रत्येक सार्वजनिक क्षेत्रीय बैंक में व्यवसाय के प्रगति पथ को दो कारकों अर्थात् प्रदर्शन और कार्यक्षमता के माध्यम द्वारा अच्छी तरह से परिभाषित किया गया हैद्य इसी कारण बहुत ही कम समय में मेहनती और जानकारध्ज्ञानी कर्मचारी उच्च पद प्राप्त कर लेते हैं।

कई बैंकों में, एक व्यक्ति जो शुरूआत में प्रोबेशनरी अधिकारी के पद पर पदभार सम्भालता है वह तकरीबन 14 वर्षों में महाप्रबंधक के पद पर पहुँचने का आकांक्षी हो सकता है। उसके पश्चात, वह बैंक के एक्सेक्युटिव डाइरेक्टर/कार्यकारी निदेशक या चेयरमैन/अध्यक्ष बन सकता है ।

कई बैंकों की विदेशों में भी शाखायें हैं। इसीलिए, विदेशों में काम करने का अवसर भी मिल सकता है। एक बैंक की नौकरी में स्थानान्तरण के माध्यम से आपको देश के अलग–अलग हिस्सों को देखने का मौका मिलता है। एक बैंकर के रूप में आप एक अच्छी जीवन शैली सुनिश्चित कर सकते हैं।

अधिकारियों के कैरियर में प्रगति :–

जूनियर प्रबंधन ग्रेड – स्केल I अधिकारी
मध्य प्रबंधन ग्रेड – स्केल II प्रबंधक
मध्य प्रबंधन ग्रेड – स्केल III वरिष्ठ प्रबंधक
वरिष्ठ प्रबंधन ग्रेड – स्केल IV मुख्य प्रबंधक
वरिष्ठ प्रबंधन ग्रेड स्केल V सहायक महाप्रबंधक
शीर्ष प्रबंधन ग्रेड स्केल VI उप महाप्रबंधक
शीर्ष प्रबंधन ग्रेड स्केल VII महाप्रबंधक

उप–कर्मचारी :–

आप उप–कर्मचारी के रूप में किसी भी बैंक में अपना कैरियर शुरू कर सकते हैं यह किसी भी बैंक में भर्ती की सबसे कमतर कैडर है। अधिकांश बैंकों के लिए, आपको इस पद के लिए पात्र होने के लिए कम से कम 10 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। हालांकि, आपको बैंक में नियुक्ति से पहले एक लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता होती है। परीक्षा पास करने के बाद, आप मुख्य रूप से किसी शाखा या प्रशासनिक कार्यालय में एक चपरासी या सफाई कर्मचारी के रूप में काम करना होता हैं। यदि आप बैंक में अपने कार्यकाल के दौरान अपेक्षित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त कर लेते है तो आप उच्च रैंकों या कैडर में भी जा सकते हैं

लिपिक कैडर : –

यदि आप देश के किसी भी वाणिज्यिक बैंक में फ्रंट लाइन स्टाफ बनने के लिए तैयार हैं, तो आपको कम से कम स्नातक होना चाहिए। इसके अलावा आपको बेसिक कंप्यूटर ज्ञान भी होना चाहिए। क्लेरिकल कैडर की नौकरी में आपको खाते खोलने, पासबुक एंट्री, फिक्स्ड डिप०जिट खोलने, बैंक के विभिन्न उत्पादों की मार्केटिंग आदि काम करने होते है। अगर आप एक क्लेरिकल कैडर स्टाफ के रूप में बैंक में शामिल हो रहे हैं तो आपके पास कैरियर के विकास का बहुत अच्छा मौका है। हालांकि, इस भूमिका में, आपके पास आमतौर पर किसी निर्णय लेने की अधिकार नहीं होता है।

प्रोबशनरी आफिसर :–

इन अधिकारियों को मैनेजमेंट ट्रेनी भी कहा जाता है। प्रोबेशनरी आफिसर्स किसी भी शाखा की रीढ़ हैं क्योंकि उन्हें शाखा की दैनिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होती है। उन्हें बैंक के नकदी की देखभाल के साथ–साथ, खाता खोलने, रिपोर्ट तैयार करने, विपणन, ऋण खाता खोलने आदि कार्य करने होते हैं। यदि आप किसी वाणिज्यिक बैंक में पीओ के रूप में शामिल होते हैं तो आप बैंक के प्रमुख अर्थात प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रैंक तक भी जा सकते हैं। यदि आपमें पर्याप्त योग्यता हैं, तो आप आरबीआई के उप–गवर्नर भी बन सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में एसबीआई और आईबीपीएस द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रोबेशनरी अ०फिसर्स की भर्ती की जाती है।

विशेषज्ञ अधिकारी (Specialist Officer) : –

यदि आप बैंकिंग में अकैडमिक का उपयोग करना चाहते हैं, तो आप निश्चित रूप से किसी भी बैंक में विशेषज्ञ अधिकारी बन सकते हैं। बैंक आईटी, एचआर, कृषि, मार्केटिंग, प्लानिंग, कार्पोरेट फाइनेंस आदि के लिए विशेषज्ञ अधिकारियों (**Specialist Officer**) की भर्ती करते हैं। ये अधिकारी बैंक केवल संबंधित विभाग में काम करते हैं। हालांकि, यदि वे किसी भी बैंक में एसओ के रूप में शामिल हो जाते हैं तो उन्हें दिन–प्रति–दिन बैंकिंग में अपने शैक्षिक ज्ञान का उपयोग करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलता है। हालांकि विशेषज्ञ अधिकारी के रूप में आपके कैरियर की वृद्धि सीमित है, लेकिन आप महानगरीय शहरो में अच्छी जीवन शैली जी सकते हैं। सामान्यता विशेषज्ञ अधिकारी की पोस्टिंग ग्रामीण इलाको में नही होती है

भारतीय रिजर्व बैंक (जनरलिस्ट–सांख्यिकी/अर्थशास्त्र) में ग्रेड बी अधिकारी :–

आरबीआई में नौकरी करने का मतलब है कि आप भारत में बैंकिंग उद्योग की विनियामक प्रक्रिया (**Regulating Process**) का हिस्सा हैं। देश के शीर्ष बैंक की कठोर भर्ती प्रक्रिया को पास करने के बाद आप बैंक में प्रवेश कर सकते हैं। सामान्य अधिकारी अधिकारी के रूप में, आप बैंक के बुनियादी कार्यों का प्रबंधन करेंगे, जबकि अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग में आप केवल इन क्षेत्रों में कार्य करने के लिए जिम्मेदार होंगे। आरबीआई देश में बैंकिंग क्षेत्र नियामक की भूमिका निभाता है और साथ ही देश में बैंकिंग का विकास भी करता है। इसलिए, आरबीआई में नौकरी करने के साथ आप देश में बैंकिंग के विनियमन और विकास के लिए निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

नाबार्ड अधिकारी :–

आपके पास बैंकिंग में कैरियर बनाने के लिए दूसरा शाट नाबार्ड के साथ है कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास संगठन होने के नाते, आपको ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बारे में अच्छी और संपूर्ण जानकारी रखने की आवश्यकता है। नाबार्ड देश में सहकारी बैंकों के नियामक (तमहनसंजवत) भी हैं, इसलिए आपको उस उद्योग का भी मूल ज्ञान होना चाहिए। यह बैंकिंग उद्योग में एक बहुत प्रतिष्ठित काम है क्योंकि ग्रामीण भारत, विकास और सहायता के लिए नाबार्ड तक देखता है। संगठन में शामिल होने के लिए आपको नाबार्ड द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता होती है।

निवेश (Investment) बैंकिंग :–

यदि आप मुख्य रूप से पैसा बनाने में रुचि रखते हैं, तो निवेश बैंकिंग आपके लिए एकमात्र विकल्प होना चाहिए। हालांकि, बड़े निवेश बैंक मुख्य रूप से प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईएम आदि से ही उम्मीदवार लेते हैं। इसलिए, आपको किसी प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान से डिग्री प्राप्त करने की आवश्यकता है ताकि एक निवेश बैंकर के रूप में आपको एक अच्छी नौकरी मिल सके। यह एक उच्च भुगतान नौकरी भी है।

कार्पोरेट वित्तपोषण, ट्रेजरी परिचालन आदि (Corporate financing, treasury operations) : –

यह वाणिज्यिक बैंकों के लिए सामान्य बैंकिंग का एक हिस्सा है। आपको किसी भी वाणिज्यिक बैंक में इन क्षेत्रों में एक नौकरी प्राप्त करने के लिए अपेक्षित योग्यता प्राप्त करने की आवश्यकता है। इन विभागों के अलावा, सभी बैंकों में एक विदेशी मुद्रा विभाग भी होता है। अगर आप इस क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं, तो आप विभिन्न बैंक में इस विभाग में भी नौकरी कर सकते हैं।

बैंकिंग में करियर की संभावनाएं (Career Prospects in Banking) :–

बैंकिंग सेक्टर दुनिया का एक अच्छा तकनीकी और मजबूत क्षेत्र है. इसके अलावा, यह एक अनुशासित क्षेत्र के रूप में भी माना जाता है. बैंकिंग में तीन अलग अलग सेक्टर होते है, जो निम्नलिखित है.

- सरकारी बैंक (**Government bank**)
- अर्धसरकारी बैंक **(Semi government bank**)
- प्राइवेट बैंक (**Private bank**)

देश में इन तीन क्षेत्रों में कई बैंक हैं और उनकी शाखाएँ भी हजारों हैं. इन सभी बैंकों में हर साल विभिन्न पदों के लिए भर्ती की जाती है. इसलिए हर साल हजारों–लाखो लोग बैंकिंग क्षेत्र में नौकरी पाते हैं, अपना करियर बनाते हैं. रेलवे की तरह इस क्षेत्र में भी रोजगार की कोई कमी नहीं है. इस लिए बैंक के क्षेत्र में आपका करियर उज्जवल हो सकता है।

लेकिन आपको हमेशा एक बात याद रखनी होगी कि किसी भी बैंक में नौकरी पाना इतना आसान नहीं है, इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है. लेकिन अगर बैंकिंग परीक्षा की तैयारी अच्छी तरह से की जाए तो नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है बैंकिंग में आप इन पदों के लिए कर सकते है आवेदन

- Junior associate
- Second class clerk
- Specialist officer
- Probationary officer
- PWD Assistant
- Branch head
- Assistant Manager
- Relation manager
- Security officer
- Assistant officer
- Bank clerk
- Cashier
- Office assistant
- Loan manager
- Junior officer
- Senior officer
- IT Officer
- Law Officer
- Computer programmer
- Bank agricultural officer
- Financial Literacy Counselor
- Data entry operator

निष्कर्ष (Conclusion) :–

बैंकिंग एक ऐसा क्षेत्र है जो इन दिनों बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो आने वाले दशक में भारत में सबसे ज्यादा संख्या में लोगों को रोजगार देने वाला बन क्षेत्र सकता है। यदि आप चुनौतियों और जिम्मेदारियों के साथ नौकरी करना चाहते हैं, तो बैंकिंग कैरियर आपके लिए है। इन पदों के अलावा, बैंकिंग क्षेत्र में और भी कई पद भी होते हैं, जिसके लिए आप अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं आयुसीमा योग्यता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं

सन्दर्भ गन्थ सूची :–

1. **भारतीय स्टेट बैंक वार्षिक प्रतिवेदन 2015**
2- www.google.com/wikipedia.com
3- www.wikipedia.com
4- www.sbi.co.in